श्रीमती श्यामादेवी

डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर

(बी0 एड0)

सत्र : 201.....–201.....

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम........ शिखा उपाध्याय

शैक्षिक योग्यता........ बी॰एड॰ (द्वितीय वर्ष)

महाविद्यालय अनुक्रमांक........ 40

विश्व विद्यालय अनुक्रमांक........ 21574897

शिक्षण विषय........ इतिहास भूगोल

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

INDEX

पाठ रूल संख्या	विषय	पाठ का प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1	इतिहास	पाषाणकाल	1 – 8
2	इतिहास	बाबर	9 – 16
3	इतिहास	गुलामवंश	17 – 23
4	इतिहास	बौद्ध धर्म	24 – 31
5	इतिहास	सिन्धु सभ्यता	32 – 38
6	इतिहास	इस्लाम धर्म	39 – 45
7	इतिहास	खिलजी वंश की स्थापना	46 – 51
8	इतिहास	भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना	52 – 57
9	इतिहास	मुगल साम्राज्य	58 – 61
10	इतिहास	गुप्तवंश	62 – 66
11	इतिहास	मैसूर का युद्ध	67 – 72
12	इतिहास	जैन धर्म	73 – 77
13	इतिहास	मुगलवंश की स्थापना	78 – 83
14	इतिहास	मेसोपोटामिया की स्थापना	84 – 88
15	इतिहास	मुस्लिम आन्दोलन	88 – 92

7/9/21

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक..................................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठयोजना - 1

विद्यालय का नाम — उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम — शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
25/02/21	6	सा० विज्ञान	इतिहास	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण — 'पाषाण काल'

सामान्य उद्देश्य —

1- छात्र प्राचीन भारत के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2- छात्र विभिन्न कालों के वीर शासकों से प्रेरणा प्राप्त करेंगे।
3- छात्रों में स्वदेश प्रेम राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकता का भाव उत्पन्न करना।
4- अतीत के महत्वपूर्ण तथ्यों को सामने रखकर वर्तमान को स्पष्ट करना।
5- तथ्यों के आधार पर छात्रों को नये इतिहास का निर्माण करने के योग्य बनाना।
6- छात्रों को भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं का ज्ञान कराकर अपनी संस्कृति के प्रति अनुराग उत्पन्न करना
7- छात्रों में नैतिक चरित्र का विकास करना।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 2

8- छात्रों मे राष्ट्रीय विरासत के साथ-साथ मानवीय विरासत से भी अवगत करना जिसमे अन्तर्राष्ट्रीय भावना का विकास होना।

9- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

10- छात्रों में मानव के क्रमिक विकास समय का ज्ञान एवं इतिहास का ज्ञान कराना

11- आदर्श चरित्र का निर्माण।

विशिष्ट उद्देश्य :—

1- छात्र पाषाण काल से परिचित हो सकेंगे।

2- छात्र पाषाण काल का क्रमबद्ध तरीके से अध्ययन कर

3- छात्र पाषाण काल पर व्याख्या दे सकेंगे।

4- छात्र पाषाण काल को चार्ट द्वारा प्रदर्शित करने का कौशल विकसित कर सकेंगे।

सहायक सामग्री :—

समस्त कक्षापयोगी सामग्री चॉक, डस्टर आदि।

पूर्वज्ञान :—

छात्र 'पाषाणकाल' के बारे मे सामान्य जानकारी रखते हैं।

छात्राध्यापिकाक्रिया	छात्रक्रियाएं / छात्र
प्र०1- हमारे देश का क्या नाम है?	उ० - भारत
प्र०2 भारत वर्ष मे कितने काल होते है?	उ०- तीन काल

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

क्रम सं० - छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रिया -
प्र०-3 उन तीन कालों का क्या नाम है?	उ०- भूत काल, भविष्य काल, वर्तमान काल
प्र०-4 भूत काल में कौन-कौन से काल आते हैं?	1- पाषाण काल, पुरापाषाण काल, मध्य, नव पाषाणकाल
प्र०-5 पाषाण काल से समझते हैं।	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— आज हम लोग नवपाषाण काल के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रियाएँ	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्याम पट्ट कार्य
पुरापाषाण काल -	विकासात्मक प्रश्न				
	प्र०- पाषाण काल को किन तीन भागों में बाँटा जाता है।	पुरापाषाणकाल मध्य पाषाणकाल नवपाषाण काल	प्रश्नोत्तर विधि	पुरापाषाण काल को प्रदर्शित करता चार्ट	
	प्र०-2 पुरापाषाण काल के बारे में क्या जानते हो।	समस्यात्मक			
	छात्राध्यापिका कथन - इस काल में मानव खुलेआसमान				

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

मे रहते थे नदियों के किनारे या झील के पास रहते थे। इससे उन्हे शिकार करने मे आसानी होती थी। वह पत्थर के औजार से पशुओं का शिकार करता था शिकार से प्राप्त मांस उसका मुख्य भोजन था।
कन्दमूल और फल भी थे धीरे समय बाद मानव गुफाओं मे रहना प्रारम्भ कर दिया इस समय उन्होंने आग की प्रयोग कि जानकारी प्राप्त मृत को कब्र मे दफनाना सीखा।

बोधात्मक प्रश्न

प्र०- इस काल मे मानव कहा रहते थे?	खुले आसमान मे	प्रश्नोत्तर विधि		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र-छात्राएं क्रिया	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्याम पट्टकार्य
	प्र०- वे पशुओं का शिकार किस औजार से करते थे ?	पत्थर से	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०3 उसका मुख्य भोजन क्या था ?	मांस			
	प्र०4- कुछ समय बाद वे कहां रहने लगे	गुफाओं में			
	प्र०- इस काल में उन्हें किसकी जानकारी थी ?	आग की तथा मृत को कब्र में दफनाने की जानकारी मिली			
मध्य-पाषाण काल	**विकासात्मक प्रश्न**				
	प्र०1- पुरापाषाण के बाद कौन सा काल आता है ?	मध्यपाषाण काल	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०2 मध्य पाषाण काल के विषय मे क्या जानते हैं ?	समस्यात्मक ?			

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

कक्षा :- 6 प्रकरण :- पाषाण काल

दिनांक :- 29/07/21

- इस काल में मनुष्य घुमन्तु जीवन तथा खुले आकाश में रहते थे।
- कन्दमूल तथा फल, मांस भोजन था।
- पत्थर के औजार थे।
- आग की खोज इसी युग में हुई थी।
- इस काल के औजार छोटे होते थे।
- इस काल में मनुष्य ने खेती का कार्य करना सीख लिया था।
- मानव का पालतू पशु कुत्ता था।

गृहकार्य :– पाषाण काल के बारे में विस्तार से पढ़कर आओ।

छात्राध्यापिका कथन				
मध्यपाषाण काल मे औजार पुरापाषाण काल की अपेक्षा आकार मे छोटे हो गये।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि		इसकाल के औजार छोटे थे
इस समय प्रकृति मे अनेक परिवर्तन हुए जिसका प्रभाव मानव जीवन पर पड़ा। पृथ्वी की उर्वरक शक्ति का विकास हुआ तथा घास एवं वनस्पतियो के मैदान विकसित हुए।				इसकाल मै मनुष्य ने खेती करना सीख लिया मानव का पालतू पशु कुत्ता था।
बोधात्मक प्रश्न :-				
प्र०1 मध्य पाषाण काल के औजार कैसे थे?	छोटे आकार के	प्रश्नोत्तर विधि		
प्र०2 प्रकृति के परिवर्तन मानव के किस पर प्रभाव पड़ा?	मानव जीवन पर			
प्र०3- मानव ने घासो से क्या प्राप्त किया?	अनाज			
प्र०4 मानव का पालतू पशु कौन है?	कुत्ता			

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र-छात्राएं क्रिया	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
नव पाषाण काल-	**विकासात्मक प्रश्न** प्र०-1 मध्यपाषाण काल के बाद कौन सा काल आता है?	नव पाषाण काल			
	प्र०- नव पाषाण काल से क्या समझते हैं?	समस्यात्मक?			
	छात्राध्यापिका कथन- पुनरावृत्ति का मानना है कि जब से मानव ने खेती करना प्रारम्भ किया तभी से नव पाषाण काल प्रारम्भ हुआ। खेती से मानव अब भोजन संग्राहक से भोजन उत्पादक बन गया। इस काल के उनके पत्थर के औजार मजबूत और सुडौल थे इनके औजार चमकदार थे खेती के साथ पशुपालन भी शुरू हो गया जानवरों से दूध तथा मांस प्राप्त करते थे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि		मानव ने खेती किया प्रारम्भ किया तभी से नव पाषाण काल आया। • औजार मजबूत औद्योगिक होते थे। • मृतकों को कब्र में दफनाते थे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ......8..........

बोधात्मक प्रश्न –				
प्र०1 नव पाषाण काल कब प्रारम्भ हुआ	खेती करना			
प्र०2 इस काल में औजार कैसे बनते थे?	मजबूत और सुडौल चमकदार			
प्र०3 खेती के साथ और क्या शुरू किया?	पशुपालन			
प्र०4 जानवरों से वे क्या प्राप्त करते थे?	दूध और मांस			

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा को निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :— प्र०1 पाषाण काल का अर्थ क्या होता है?

प्र०2 पाषाण काल किन तीन युगों में बाँटा गया है नाम बताइए?

प्र०3 पुरापाषाण में मानव कहा रहता था?

गृहकार्य – सभी छात्र पाषाण काल के विषय में पढ़कर आयेंगे।

Teacher's Signature : .... 1/9/2021 ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठयोजना - 2

विद्यालय का नाम - उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम - शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
02/03/21	7	सा० विज्ञान	इतिहास	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण - बाबर

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्रों में ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का ज्ञान कराकर उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना।
2- छात्रों में इतिहास के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
3- छात्रों में मानसिक शक्तियों का विकास करना।
4- छात्रों में देश-प्रेम की भावना जाग्रत करना।
5- छात्रों में आदर्श चरित्र का निर्माण करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—

- छात्र बाबर के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
छात्रों को बाबर के जीवन-चरित्र को जानने योग्य बनाना।
छात्रों को बाबर के जीवन चरित्र एवं भारत पर आक्रमण की व्याख्या करने योग्य बनाना
छात्रों में बाबर के चित्र को चार्ट द्वारा

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रदर्शित करने के कौशल का विकास करना।

सहायक सामग्री :— समस्त कक्षोपयोगी सामग्री चॉक, डस्टर, लपेट-श्यामपट्ट संकेतक आदि।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र, बाबर के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

क्र०सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्रा क्रियाएँ
प्र०1	हम किस देश मे रहते है?	उ०- भारत।
प्र०-2	भारत की राजधानी कहाँ है?	उ०- दिल्ली।
प्र०-3	दिल्ली सल्तनत का पतन होने पर किस साम्राज्य की स्थापना हुई	उ०- मुगल साम्राज्य।
प्र०-4	मुगल साम्राज्य की नींव किसने डाली?	प्र०- बाबर।
प्र०-5	बाबर के विषय में तुम सब क्या जानते हो?	उ०समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— आज हम बाबर के बारे में अध्ययन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्रा क्रियाएं	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्याम पट्टकार्य
1- बाबर का जीवन परिचय-	**विकासात्मक प्रश्न**				
	प्र०-1 मुगल साम्राज्य की स्थापना किसने की ?	उ० - बाबर ने।	प्रश्नोत्तर प्रविधि	बाबर के चित्र	
	प्र०-2 बाबर के पिता किस वंश के थे ? (समस्यात्मक)	उ०-समस्यात्मक			
	छात्राध्यापक व्याख्यान -				
	बाबर के पिता तैमूर तथा माता चंगेज़खाँ के वंश के थे। बाबर का पिता उमर-शेख मिर्जा मध्य एशिया की छोटी सी रियासत फरगना का शासक था। यह एक उपजाऊ प्रदेश था। अपने पिता की मृत्यु के बाद बाबर फरगना का शासक बना। उस समय उसकी आयु 11 वर्ष के लगभग थी। सिंहासन पर बैठते ही बाबर को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बाद	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे			बाबर का पिता - उमर शेख मिर्जा बाबर शासक बना फरगना का। शासक बनाते समय बाबर की आयु 11 वर्ष।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

अपने पूर्वज तैमूर के राज्य समरकन्द को भी जीतना चाहता था। उसने काबुल पर अपना अधिकार जमाया और वहाँ से वह भारत की ओर आकर्षित हुआ राजनीतिक एकता के अभाव में बाबर को भारत पर आक्रमण करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।				अधिकार जमाया काबुल पर।

बोधात्मक प्रश्न –

प्र०-1 बाबर के पिता का क्या नाम था?	उ०- बाबर के पिता उमर शेख मिर्जा	प्रश्नोत्तर प्रविधि
प्र०-2 उमर शेख मिर्जा किस वंश के थे?	उमर शेख मिर्जा तैमूर वंश के थे।	
प्र०-3 अपने पिता की मृत्यु के पश्चात बाबर कहाँ का शासक बना?	फरगना	
प्र०-4 शासक बनते समय बाबर कितने का था।	शासक बनते समय बाबर 11 वर्ष का था।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

कक्षा-7 प्रकरण - बाबर

दिनांक - 02/03/21

- बाबर का पिता उमर शेख मिर्जा।
- बाबर शासक बना - फरगना का।
- शासक बनते समय बाबर की आयु 11 वर्ष का था।
- अधिकार जमाया काबुल पर
- पानीपत का युद्ध 1526 ई०।
- बाबर और इब्राहिम लोदी के मध्य।
- मृत्यु - इब्राहिम लोदी।
- विजयी हुआ - बाबर

26/08/2021

SM... DEVI
Degr... ent

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	के पास नहीं थी। उसके पास कुशल घुड़सवार थे बाबर एवं उसकी सेना को अनेक युद्धों का अनुभव था उसने बड़ी कुशलता से अपनी सेना का संचालन किया इब्राहिम लोदी लड़ाई में मारा गया। बाबर की विजय हुई। दिल्ली तथा आगरा तक का सारा प्रदेश बाबर के अधीन हो गया।				
	बोधात्मक प्रश्न :-				
	प्र०-1 दिल्ली पर आक्रमण के लिये बाबर को किसने आमंत्रित किया?	दौलत खाँ लोदी ने आमंत्रित किया			
	प्र०-2 पानीपत का युद्ध कब हुआ?	1526 ई०			
	प्र०-3 पानीपत के युद्ध में बाबर ने किसे पराजित किया?	इब्राहिम लोदी			
	प्र०-4 बाबर ने कहाँ तक साम्राज्य अपने अधीन कर लिया?	बाबर ने दिल्ली तथा आगरा तक साम्राज्य अपने अधीन कर लिया।			

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

- बाबर को तुर्की 'फारसी' भाषाओं का ज्ञान।
- तुजुक-ए-बाबरी - आत्मकथा।
- बाबरनामा का फारसी भाषा का अनुवाद।
- आगरा, लाहौर में बगीचे लगवाये।

गृहकार्य :- सभी छात्र 'बाबर' के विषय में विस्तारपूर्वक घर से पढ़कर आयेंगे।

SMT … DEVI
Degree …

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	शिक्षण विधि	सहायक सामग्री	शिक्षण बिन्दु
3- बाबर कपालि –	**विकासात्मक प्रश्न**				
	प्र०1 बाबर ने पानीपत में किससे युद्ध लड़ा?	उ० बाबर ने पानीपत में इब्राहिम लोदी	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०2 बाबर को किसका सिपाही कहा जाता है?	उ० -	समस्यात्मक		
	छात्राध्यापिका व्याख्यान:-	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि		
	बाबर को कलम और तलवार दोनों का सिपाही कहा जाता है। सैनिक कार्यों के साथ-साथ वह साहित्य के साथ रुचि रखता था। उसे तुर्की एवं फारसी भाषा तथा साहित्य का अच्छा ज्ञान था। बाबर स्वयं भी उच्च कोटि का साहित्यकार था। उसने अपनी आत्मकथा लिखी जो तुर्की भाषा में है और तुजुक-ए-बाबरी। इसके फारसी अनुवाद को बाबरनामा कहते हैं। बाबर को बगीचों का बहुत शौक था।				• तुजुक-ए-बाबरी आत्मकथा • बाबरनामा फारसी भाषा का अनुवाद • बाबर को तुर्की फारसी भाषाओं का ज्ञान • आगरा लाहौर में बगीचे बनवाये

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

बोधात्मक प्रश्न :—

प्र० बाबर को किन भाषाओं का ज्ञान था?	उ० बाबर को तुर्की, फारसी	प्रश्नोत्तर विधि
प्र०-2 बाबर की आत्मकथा का क्या नाम था?	बाबर की आत्मकथा तुजुके-बाबरी है।	
प्र०-3 तुजुके-बाबरी का फारसी अनुवाद किसे कहते है।	तुजुके बाबरी का फारसी अनुवाद बाबरनामा कहते है।	
प्र०-4 बाबर ने बगीचे कहाँ लगवाये?	बाबर ने लाहौर के आस-पास लगवाये	

मूल्यांकन प्रश्न :— प्र०-1 बाबर के पिता का नाम क्या था?

प्र०2- पानीपत का युद्ध किस सन् मे हुआ?

प्र०3- पानी पत के युद्ध मे किसकी विजय हुई?

प्र०4- बाबर किन भाषाओं का ज्ञान रखता था?

प्र०5 बाबर की आत्मकथा फारसी मे किस नाम से प्रसिद्ध है।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा की निरीक्षण करेगी।

गृहकार्य :— सभी छात्र बाबर के विषय में विस्तार पूर्वक पढ़कर आयेंगे।

Teacher's Signature : 1/9/2021

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पाठ्योजना - 3

विद्यालय का नाम - उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम - शिखा उपाध्याय

दिनाँक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
07/03/21	7	सा० विज्ञान	इतिहास	तृतीय	40 मिनट

प्रकरण - गुलाम वंश

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्रों में ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का ज्ञान करवाकर उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना।
2- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3- छात्रों में मानसिक शक्तियों का विकास करना।
4- छात्रों में देश प्रेम की भावना जागृत करना।
5- छात्रों में आदर्श चरित्र का निर्माण करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1- छात्र गुलामवंश के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
2- छात्र गुलाम वंश के शासकों का अध्ययन कर सकेंगे।
3- छात्र गुलाम वंश के उदय पर व्याख्या दे सकेंगे।
4- छात्र गुलाम वंश की पूर्ववर्ती शासकों से तुलना करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे।
5- छात्रों में गुलाम वंश के शासकों की नीति का समावेश होगा।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :— समस्त कक्षोपयोग सामग्री चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

पूर्व ज्ञान :— छात्र, गुलामवंश की सामान्य जानकारी रखते है।

प्रस्तावना :—

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्राएं क्रियाएं
प्र०-1	हमारे देश का नाम क्या है?	उ०- हमारे देश का भारत नाम है।
प्र०-2	भारत की राजधानी का नाम क्या है?	उ०- भारत की राजधानी का नाम दिल्ली है।
प्र०-3	दिल्ली पर खिलजी वंश से पहले किन शासको ने शासन किया?	तुर्क शासको ने शासन किया।
प्र०-4	तुर्क शासक किस वंश के थे?	तुर्क शासक गुलामवंश के थे।
प्र०-5	गुलाम वंश का पहला शासक कौन था?	छात्र अनुत्तरित।

उद्देश्य कथन :— आज हम सभी गुलामवंश के बारे मे अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्राएं क्रियाएं	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
1- कुतुबुद्दीन ऐबक	**विकासात्मक प्रश्न**				
	प्र०-1 मुहम्मद गोरी की मृत्यु कब हुई?	उ०- 1206 ई०	प्रश्नोत्तर प्रविधि		
	प्र०-2 मुहम्मद गोरी का तुर्क गुलाम कौन था?	उ०- समस्यात्मक			

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राऐं क्रियाएँ	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्याम पट्ट कार्य
छात्राध्यापिका कथन :- 1206 ई० में मुहम्मद गोरी की मृत्यु के पश्चात उसका तुर्क गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक उत्तर भारत का पहला तुर्की शासक था। उसकी उदारता के कारण ही उसे लाखबख्श कहा जाता था। वह लाखों का दान करने वाला दानप्रिय व्यक्ति था। कुतुबुद्दीन ऐबक को भवन निर्माण में भी रुचि थी उसने दिल्ली में कुतुबुद्दीन ऐबक को भवन निर्माण में भी रुचि थी उसने दिल्ली में कुतुबमीनार और अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा निर्माण कराया।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	कुतुबुद्दीन ऐबक का चित्र	• पहला शासक कुतुबुद्दीन ऐबक • लाखबख्श कहलाया • दिल्ली में कुतुबमीनार। • अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा।
बोधात्मक प्रश्न :—				
प्र०-1 कुतुबद्दीन किस वंश का था?	उ०- गुलामवंश का	प्रश्नोत्तर विधि		
प्र०-2 उसे किस नाम से जाना जाता था?	लाखबख्श के नाम से			

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

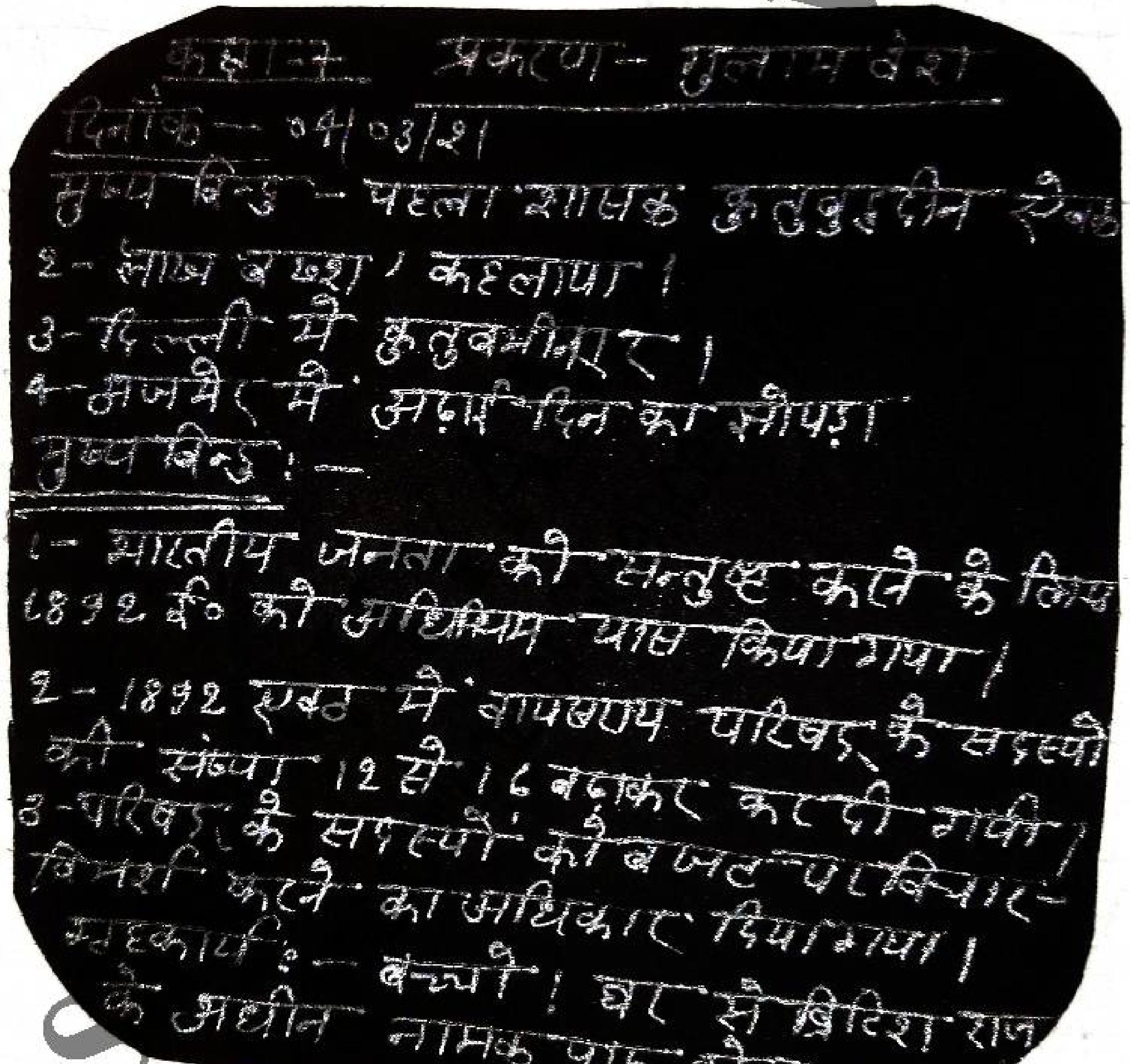

कक्षा-7   प्रकरण- गुलाम वंश

दिनांक — 04/03/21

मुख्य बिन्दु — पहला शासक कुतुबुद्दीन ऐबक

2 - लाख बख्श' कहलाया।

3 - दिल्ली में कुतुबमीनार।

4 - अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा

मुख्य बिन्दु :—

1 - भारतीय जनता को सन्तुष्ट करने के लिए 1892 ई० को अधिनियम पास किया गया।

2 - 1892 एक्ट में वायसराय परिषद के सदस्यों की संख्या 12 से 16 बढ़ाकर कर दी गयी।

3 - परिषद के सदस्यों को बजट पर विचार-विमर्श करने का अधिकार दिया गया।

गृहकार्य :— बच्चो ! घर से ब्रिटिश राज के अधीन नामक पाठ को पढ़कर आना।

	प्र०-3- उसने दिल्ली में किसका निर्माण कराया	उ० कुतुबमीनार का।			
	प्र०-4 अजमेर में उसने क्या बनवाया?	अजमेर में उसने अढ़ाई दिन का झोपड़ा का निर्माण कराया			
इल्तुतमिश	**विकासात्मक प्रश्न:-**				
	प्र०1 कुतुबुद्दीन की मृत्यु कब हुई?	उ०-1210ई० में			
	प्र०2- कुतुबुद्दीन के बाद दिल्ली पर किसने शासन किया?	उ० आरामशाह ने			
	छात्राध्यापिका कथन:-				
	1210 ई० में कुतुबुद्दीन की मृत्यु के पश्चात दिल्ली के अमीरों ने इल्तुतमिश को गद्दी पर बैठा। उसने ही उत्तरी भारत में तुर्कों के राज्य का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। गद्दी पर बैठने के बाद उसे आन्तरिक और बाहरी समस्याओं से जूझना पड़ा। इल्तुतमिश ने 26 वर्षों तक शासन किया उसने दिल्ली को	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगी।	व्याख्यान विधि	इल्तुतमिश का चित्र	• तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक इल्तुतमिश • शासन किया 26 वर्ष • मुद्रा प्रचलन, टंका, जीतल • मृत्यु - 1236 ई०

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	की प्राप्त वर्ष में तुर्क साम्राज्य का राजनैतिक और प्रशासनिक केन्द्र बनाया। उसने इक्ता व्यवस्था के द्वारा केन्द्र को प्रान्तीय और स्थानीय शासन से जोड़ने की नींव डाली। इल्तुतमिश ने मुद्रा व्यवस्था में सुधार करने के लिए चाँदी के टंका और ताँबे का जीतल चलाया। 1236 ई० में इल्तुतमिश की मृत्यु हो गई।				
	बोधात्मक प्रश्न :—				
	प्र०1 तुर्की राज्य का संस्थापक कौन था?	उ०-तुर्की राज्य का संस्थापक इल्तुतमिश	प्रश्नोत्तर प्रविधि		
	प्र०2 इल्तुतमिश ने कितने वर्ष शासन किया।	26 वर्ष			
	प्र०3- उसने मुद्रा व्यवस्था में किसका प्रचलन किया।	टंका, जीतल			
	प्र०4- इल्तुतमिश की मृत्यु कब हुई?	1236 ई० में			
	विकासात्मक प्रश्न:-				
3- रजिया सुल्तान	प्र०-इल्तुतमिश की मृत्यु कब हुई?	1236 ई० में।	प्रश्नोत्तर प्रविधि	रजिया सुल्तान का चित्र	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र / छात्राएं क्रियाएं	विधि / प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०- इल्तुतमिश की पुत्री कौन थी ?	समस्यात्मक			
	छात्राध्यापिका कथन:- इल्तुतमिश ने अपने जीवन काल में ही अपनी पुत्री रजिया को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। 1236 ई० में रजिया दिल्ली के गद्दी पर बैठी और सुल्तान कही जाने लगी। रजिया ने लगभग 3 वर्ष 8 माह शासन किया। रजिया ने स्त्रियों का पहनावा छोड़ दिया और बिना पर्दे के दरबार में बैठने लगी। वह युद्ध में सेना का नेतृत्व करती थी। तुर्क सरदार किसी महिला के अधीन कार्य करने को तैयार नहीं थे। उन्होंने एक षड्यन्त्र द्वारा उसे गद्दी से हटा दिया। रजिया मध्यकालीन विश्व में पहली मुस्लिम महिला शासक थी।				• इल्तुतमिश की पुत्री- रजिया सुल्तान • 1236 ई० में रजिया सुल्तान गद्दी पर बैठी • 3 वर्ष 8 माह रजिया ने शासन किया। • सेना का नेतृत्व किया।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र/छात्राएं क्रिया	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	बोधात्मक प्रश्न :—				
	प्र०-1 रजिया किसकी पुत्री थी?	उ० - इल्तुतमिश की।	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०-2 रजिया दिल्ली की गद्दी पर कब बैठी?	1236 ई० में			
	प्र०-3 उसने कितने वर्ष शासन किया?	3 वर्ष 6 माह तक।			
	प्र०-4 वह युद्ध में किसका नेतृत्व करती थी?	सेना का।			

मूल्यांकन प्रश्न :—

प्र01 कुतुबुद्दीन किस वंश का था?
प्र02 अजमेर में उसने किसका निर्माण किया?
प्र03 इल्तुतमिश ने कितने वर्ष शासन किया?
प्र04 इल्तुतमिश की पुत्री कौन थी?
प्र05 रजिया ने कितने वर्ष शासन किया?

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर प्रत्येक कक्षा की निरीक्षण करेगी।

गृहकार्य :— सभी छात्र गुलाम वंश का अध्ययन करके आयेंगे।

Teacher's Signature : [signature] 7/9/2021

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

पाठयोजना-4

विद्यालय का नाम - उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम - शिक्षा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
06/03/21	8	सामाजिक विज्ञान	इतिहास	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण - बौद्ध धर्म

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्र प्राचीन भारत के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

2- छात्र विभिन्न कालों के वीर शासकों से प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

3- छात्रों को ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का परिचय कराकर उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना

4- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना

5- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना

6- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1- छात्र बौद्ध धर्म से परिचित हो सकेंगे।

2- छात्र बौद्ध धर्म का क्रमबद्ध तरीके से अध्ययन कर सकेंगे।

3- छात्र बौद्ध धर्म पर व्याख्या दे सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

छात्र प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
छात्र मानचित्र चार्ट आदि का प्रदर्शन कर पहचान कर सकेंगे।
छात्र दिशा निर्देश कर सकेंगे।
छात्र बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों के विषय में कौशल विकसित कर सकेंगे।

सहायक सामग्री:— समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट) एवं उपकरण से सम्बन्धित चार्ट इत्यादि।

छात्रों का पूर्व ज्ञान:— छात्र बौद्ध धर्म के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना —

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ
प्र०1	भारत में कितने धर्मों के लोग रहते हैं?	उ० - भारत में अनेक धर्मों के लोग रहते हैं।
प्र०2	श्री रामचन्द्र किस धर्म के राजा थे?	उ० - श्री रामचन्द्र जी हिन्दू धर्म
प्र०3	अकबर किस धर्म का अनुयायी थे?	मुस्लिम धर्म
प्र०4	गौतम बुद्ध किस धर्म के अनुयायी थे?	गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।
प्र०5	बौद्ध धर्म के विषय में आप क्या जानते हैं।	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन:— बच्चों! आज हम बौद्ध धर्म के विषय में अध्ययन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
महात्मा बुद्ध व बौद्ध धर्म का परिचय	**विकासात्मक प्रश्न** प्र०-1 बौद्ध धर्म का संस्थापक कौन था ? प्र०-2 महात्मा बुद्ध का जन्म किस ई० में हुआ ?	महात्मा बुद्ध थे समस्यात्मक	प्रश्नोत्तर विधि	महात्मा बुद्ध का चित्र	
	छात्राध्यापिका व्याख्यान — ईसा पूर्व छठी शताब्दी में धार्मिक आन्दोलन का उत्तम रूप हम बौद्ध धर्म की शिक्षाओं में पाते हैं बौद्ध धर्म के शिक्षाओं में पाते हैं। बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध थे इनका जन्म कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नामक ग्राम में हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। पिता का नाम शुद्धोधन व माता का नाम महमाया था। पत्नी का नाम यशोधरा तथा पुत्र का नाम राहुल था।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि		• बौद्ध धर्म की स्थापना महात्मा बुद्ध ने की थी। • प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया था।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	29 वर्ष की आयु में सत्य की खोज में गृह-त्याग किया। यह घटना महाभिनिष्क्रमण के नाम से प्रसिद्ध है। उरुवेला में पीपल के नीचे इन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। सारनाथ में प्रथम उपदेश दिया। 483 ई० पू० में इनका देहावसान हो गया। यह घटना महा-परिनिर्वाण के नाम से जाना जाता है। बौद्ध धर्म से प्रभावित होकर अशोक एवं कनिष्क ने इसे राजकीय धर्म बनाया था।				• समाधि मुद्रा में ज्ञान प्राप्त हुआ था • 483 ई० पू० देहावसान हो गया
	बोधात्मक प्रश्न :—	छात्र उत्तर देंगे			
प्र० 1	महात्मा बुद्ध का जन्म किस स्थान में हुआ था?	उ०- लुम्बिनी ग्राम में	प्रश्नोत्तर प्रविधि		
प्र० 2	महात्मा बुद्ध को किस वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था?	महात्मा बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।			
प्र० 3	महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहाँ दिया था?	उ०- बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

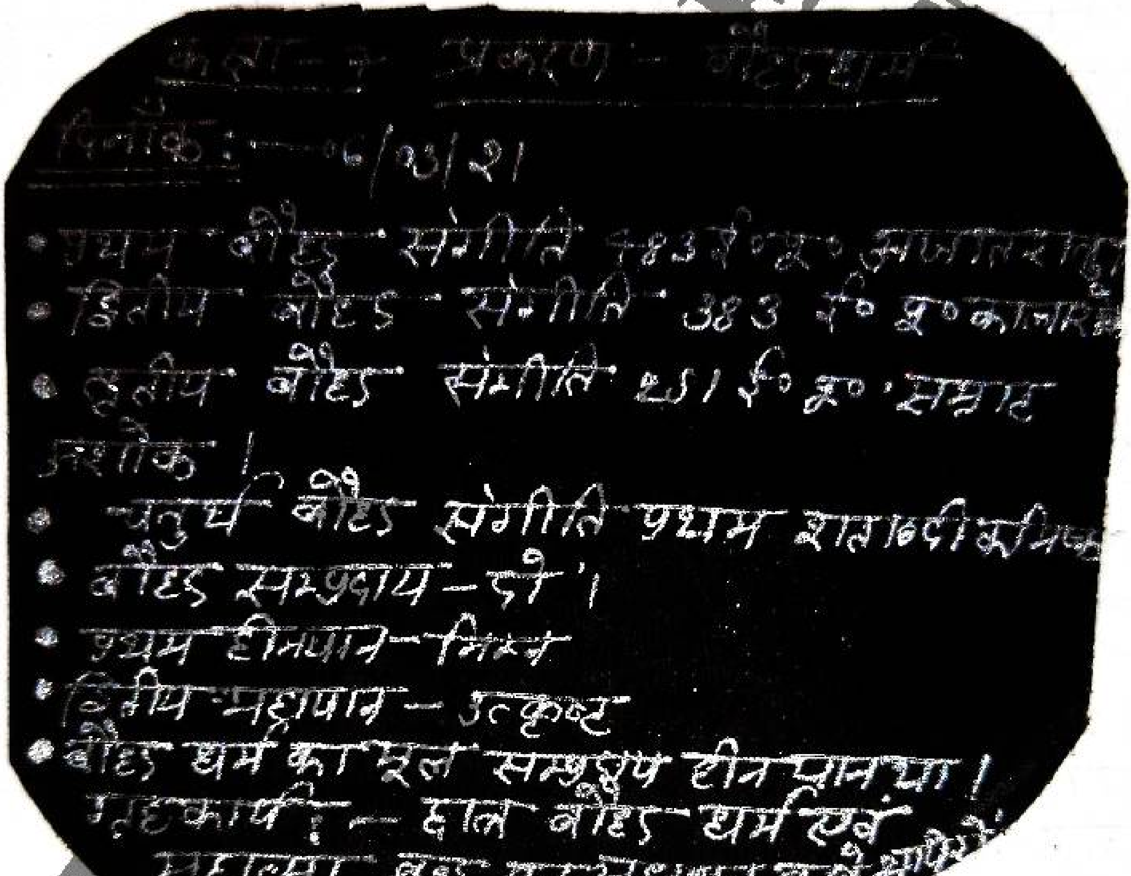
कक्षा – ७ प्रकरण – बौद्ध धर्म
दिनांक :– ०६/०३/२१
• प्रथम बौद्ध संगीति 483 ई० पू० अजातशत्रु
• द्वितीय बौद्ध संगीति 383 ई० पू० कालाशोक
• तृतीय बौद्ध संगीति 251 ई० पू० सम्राट अशोक।
• चतुर्थ बौद्ध संगीति प्रथम शताब्दी कनिष्क
• बौद्ध सम्प्रदाय – दो।
• प्रथम हीनयान – निम्न
• द्वितीय महायान – उत्कृष्ट
• बौद्ध धर्म का मूल सम्प्रदाय हीनयान था।
गृहकार्य :– छात्र बौद्ध धर्म एवं महात्मा बुद्ध का अध्ययन करेंगे।

26/08/2021

Expt. No. .... Date .... Page No. 28

	प्र०-4 देहावसान की घटना को क्या कहते हैं?	मैं दिया था। उ०- महा परिनिर्वाण			
	विकासात्मक प्रश्न :-	ज्ञानउत्तर देंगे।			
	प्र०-1 सारनाथ में बुद्ध ने किस धर्म का उपदेश दिया था?	उ०- बौद्धधर्म का	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०-2 बौद्ध धर्म के क्या सिद्धान्त थे?	समस्यात्मक			
2- बौद्ध धर्म के सिद्धान्त	**ज्ञानात्मक व्याख्यान** — बुद्ध ने चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया —	ज्ञान ध्यान व्याख्यान एवं सुनियोजित विधि			•प्रथम बौद्ध संगीति 483 ई०पू० अजातशत्रु
	(i) जीवन में दुःख है (ii) दुःख का कारण तृष्णा है (iii) दुःख दूर करने के लिए कारण का निवारण आवश्यक है (v) दुःख निरोधक मार्ग अष्टांगिक मार्ग कहलाता है।				•द्वितीय बौद्ध संगीत 38 3 ई०पू० कालाशोक
	अष्टांगिक मार्ग :— सम्यक दृष्टि, संकल्प, वचन, कर्म, जीविका (आजीविका), व्यायाम, स्मृति, समाधि। दसशील, सत्य अहिंसा				•तृतीय बौद्ध संगीति 251 ई०पू० सम्राट अशोक

Teacher's Signature : ....

चोरी न करना, धन संग्रह न करना, ब्रह्मचर्य का पालन, नृत्य और संगीत का त्याग सुगन्धित पदार्थों का त्याग असमय भोजन न करना कोमल शय्या का त्याग, ईश्वर में अविश्वास, कर्मवाद जाति-पाति का विरोध, निर्वाण प्राप्ति।
चार बौद्ध धर्म की महासंगीतियाँ हुई।
483 ई० अजातशत्रु 383 ई० कालाशोक 251 ई० सम्राट अशोक, प्रथम शताब्दी कनिष्क।

• चतुर्थ बौद्ध संगीति प्रथम शताब्दी कनिष्क

बोधात्मक प्रश्न :—

प्र० 1 बुद्ध ने कितने आर्य सत्यों का उपदेश दिया था?
उ० चार आर्य सत्य। विधि

प्र० 2 अष्टांगिक मार्ग कितने बताये गये हैं?
उ० आठ।

प्र० 3 बौद्ध धर्म की कितनी महासंगीतियाँ हुई?
उ० चार।

प्र० 4 अन्तिम महासंगीति किसके शासन काल में हुई थी?
उ० कनिष्क

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

विकासात्मक प्रश्न :-

प्र०-1 सम्पूर्ण अहिंसा किस धर्म के सिद्धान्त थे?	उ०-बौद्ध धर्म के	प्रश्नोत्तर विधि		
प्र०-2 बौद्ध धर्म के कितने सम्प्रदाय थे?	समस्यात्मक			
3-बौद्ध धर्म के सम्प्रदाय- **धारावाहिका व्याख्यान-** बौद्ध सिद्धान्तों को लेकर बौद्ध अनुयायियों में मतभेद हुआ और कनिष्क के समय यह दो सम्प्रदायों में विभक्त हो गया। 'हीनयान तथा महायान' बौद्ध धर्म के आदर्शों को यथावत स्वीकार करने वाले हीनयानी, तथा उस समय के साथ उन सिद्धान्तों में परिवर्तन कर उन्हें अपनाने वाले महायानी कहलाये। हीनयान का अर्थ निम्न तथा महायान सर्वव्यापक एवं सर्वसाधारण के लिए सुलभ था। इन दोनों सम्प्रदायों में कुछ अन्तर भी थे। जैसे- हीनयान बौद्ध धर्म का मूल था महायान नवीन रूप था।	व्याख्यान पूर्वक सुनने की विधि			

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	बोधात्मक प्रश्न :—				
	प्र०1 बौद्ध धर्म के अनुयायियों में किनके कारण मतभेद था?	बौद्ध धर्म के अनुयायियों में विभिन्न सिद्धान्तों के कारण	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०2- बौद्ध धर्म कितने सम्प्रदायों में विभक्त था?	बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों में विभक्त था।			
	प्र०3 बौद्ध धर्म में 'हीनयान' और 'महायान' का अर्थ बताइए?	हीनयान का अर्थ निम्न और महायान का अर्थ उत्कृष्ट है।			
	प्र०-4 महायान बौद्ध धर्म का कैसा रूप था?	महायान बौद्ध धर्म का नवीन रूप था।			

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूम कर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :— प्र०1 महात्मा बुद्ध के बचन का क्या नाम था?

प्र०2 सत्य की खोज के लिए बुद्ध ने क्या किया था?

प्र०3 बुद्ध ने कितने आर्य सत्यों को बताया है?

गृहकार्य :— सभी छात्र बौद्ध धर्म एवं महात्मा बुद्ध का अध्ययन करके आयेंगे।

Teacher's Signature : Anand 7/9/2021

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पाठयोजना -5

विद्यालय का नाम — उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर ।

छात्राध्यापिका नाम : — शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
09/03/21	8	सामाजिक विज्ञान	इतिहास	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण - सिन्धु सभ्यता

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्र प्राचीन भारत के विषय में जानकारी प्राप्त करें
2- छात्र विभिन्न कालों के वीर शासकों से प्रेरणा प्राप्त करेंगे ।
3- छात्रों में स्वदेश प्रेम राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकता का भाव उत्पन्न करना ।
4- अतीत के महत्वपूर्ण तथ्यों को सामने रखकर वर्तमान को स्पष्ट करना ।
5- छात्रों में नैतिक चरित्र का विकास करना ।

विशिष्ट उद्देश्य :—

1- छात्र सिन्धु सभ्यता के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
2- छात्र सिंधु सभ्यता के समयावधि की पहचान कर सकेंगे
3- छात्र सिन्धु सभ्यता की व्याख्या कर सकेंगे ।
4- छात्रों में सिन्धु घाटी की सभ्यता की सामाजिक व्यवस्था को चार्ट द्वारा प्रदर्शित करने का कौशल विकसित कर सकेंगे

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 33

सहायक सामग्री :— समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, नपेट श्यामपट आदि)। सिन्धु घाटी की स्थापना को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र पूर्व कक्षाओं में सिन्धु घाटी के सम्बन्ध में पढ़ चुके हैं अतः वे इसके विषय में कुछ सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न :—

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रियाएँ
प्र०1	संसार में कितने महाद्वीप हैं?	संसार में 7 महाद्वीप हैं
प्र०2	भारत किस महाद्वीप में आता है?	भारत एशिया महाद्वीप में आता है।
प्र०3	भारत से कौन-सी सभ्यता सम्बन्धित है?	सिन्धु सभ्यता, वैदिक
प्र०4	सिन्धु घाटी सभ्यता से आप क्या समझते हैं?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— आज हम, सिन्धु सभ्यता के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/छात्राएं क्रिया	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree college of Science & Management

कक्षा - 8 प्रकरण - सिन्धु सभ्यता

दिनांक :- 07/03/21

• सिन्धु घाटी सभ्यता का जन्म - सिन्धु नदी की घाटी ।

• सिन्धु सभ्यता के निर्माता - सभ्यता के निर्माता - द्रविड़ लोग

• दूसरा नाम - हड़प्पा सभ्यता ।

• समयावधि - 3250 ई० पू० - 2750 ई० पू० ।

मूल बिन्दु - 1- सिन्धु घाटी की खुदाई से सिन्धु सभ्यता में नगर व्यवस्था का पता चला ।

2 - नगर भवन निर्माण में पक्की ईंटों का प्रयोग किया जाता था ।

3 - मोहनजोदड़ो में विशाल स्नानागार मिला है ।

26/08/2021

SM... Deg... VI

1. सिन्धु घाटी सभ्यता	**विकासात्मक प्रश्न**				
	प्र०1 - सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज कब हुई थी ?	सिन्धु घाटी सभ्यता 1921 ई० में हुई थी।	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०2 सिन्धु सभ्यता के विषय में आप और क्या जानते हैं ?	समस्यात्मक			
	छात्राध्यापिका व्याख्यान:-				
	सिन्धु घाटी सभ्यता का जन्म सिन्धु नदी की घाटी में हुआ था। सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बन्धित अवशेष सर्वप्रथम 1921 ई० में हड़प्पा में दयाराम साहनी द्वारा दिये गये थे। यह सभ्यता 1921 ई० में हड़प्पा और 1922 ई० में मोहनजोदड़ो की खुदाई के बाद प्रकाश में आयी। सिन्धु सभ्यता के निर्माता द्रविड़ लोग माने जाते हैं। सिन्धु सभ्यता की समयावधि लगभग 3250 ई० पू० से 2750 ई० पू० तक मानी जाती है। सिन्धु सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि		• सिन्धु घाटी सभ्यता का जन्म सिन्धु नदी की घाटी से हुआ। • सिन्धु सभ्यता के निर्माता द्रविड़ लोग • इसका नाम हड़प्पा सभ्यता • समय विधि 3250 ई० पू० से 2750 ई० तक

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र (छात्राएं) क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	बोधात्मक प्रश्न :—				
	प्र०-1 सिन्धु सभ्यता का जन्म किस नदी के किनारे हुआ?	सिन्धु घाटी सभ्यता सिन्धु नदी	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र०-2 सिन्धु घाटी सभ्यता के अवशेष किसके द्वारा दिये गये थे?	दयाराम साहनी			
	प्र०-3 सिन्धु घाटी सभ्यता की समयावधि कब से कब तक मानी जाती है।	3250 ई॰पू॰ से 2750 ई॰पू॰			
	प्र०-4 सिन्धु घाटी सभ्यता को और किस नाम से जाना जाता है।	हड़प्पा सभ्यता			
	विकासात्मक प्रश्न :—				
	प्र०-1 सिन्धु सभ्यता के निर्माता कौन माने जाते है?	सिन्धु सभ्यता निर्माता द्रविड़ लोग माने जाते है।	प्रश्नोत्तर विधि		
	प्र० 2- सिन्धु सभ्यता की विशेषताओ के विषय मे आप क्या जानते है?	समस्यात्मक			
सिन्धु सभ्यता की विशेषताएं-	**छात्राध्यापिका कथन-** सिन्धु घाटी की खुदाई से प्राप्त अवशेषों से पता चलता है कि सिन्धु सभ्यता मे सुव्यवस्थित नगर योजना थी। नगर की सड़के और नालियाँ सीधी बनी हुई थी। मकानों से गन्दा जल निकल	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि		सिन्धु सभ्यता की खुदाई से सिन्धु सभ्यता मे नगर व्यवस्था का पता चला।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	शिक्षण प्रविधि	सहायक सामग्री	श्याम पट्ट क्रिया
	की व्यवस्था थी। सड़क तथा नालियों में पकी हुई ईंटों का प्रयोग किया गया था। सिन्धु सभ्यता में जो मकान बने थे वे कच्चे पक्के व छोटे-बड़े सभी प्रकार के थे मोहनजोदड़ो की खुदाई में एक विशाल स्नानागार मिला है यह पक्की ईंटों का बना है। खुदाई से प्राप्त बड़े-बड़े गोदाम मिले जो अनाज रखने में काम आते हैं। उसे अन्नागार कहते थे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि		• नगर व भवन में पक्की ईंटों का प्रयोग किया जाता था। • मोहनजोदड़ो में विशाल स्नानागार मिला • कुछ नगरों में अनाज के बड़े-2 गोदाम मिले (अन्नागार)
	बोधात्मक प्रश्न :-				
	प्र०-1 सिन्धु सभ्यता में नगर की सड़कें किसकी बनी होती हैं?	पक्की ईंट की			
	प्र०-2 सिन्धु सभ्यता में मकान कैसे बने हुए थे?	कच्चे-पक्के छोटे-बड़े सभी			
	प्र०-3 खुदाई में विशाल स्नानागार कहाँ मिला था?	मोहनजोदड़ो की खुदाई			
	प्र०-4 सिंधु सभ्यता में अनाजों को रखने की क्या व्यवस्था थी?	अन्नागार बने हुए थे।			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

* सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन व्यवस्थित था।
* इस सभ्यता के लोग भोजन में गेहूँ, जौ, दूध तथा मांस का प्रयोग करते थे।
* सिन्धु सभ्यता के लोग मिट्टी व तांबे के बने बर्तनों का प्रयोग करते थे।

गृहकार्य :— छात्रों। सिन्धु घाटी सभ्यता एवं सिन्धु सभ्यता के सामाजिक जीवन को घर से पढ़कर आना।

SM… DEVI
Degree … ent

Expt. No. .... Date ....

विकासात्मक प्रश्न –

प्र०-1 सिन्धु सभ्यता को किस नाम से जाना जाता है।
सिन्धु सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के

प्र०-2 सिन्धु सभ्यता के सामाजिक जीवन से आप क्या जानते हैं।
समस्यात्मक

ज्ञानात्मक कथन –

सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन –

सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन व्यवस्थित थी। इस सभ्यता के लोग गेहूँ, जौ, दूध आदि का उपयोग भोजन के रूप में करते थे। कुछ लोग माँसाहारी भोजन भी करते थे। इस सभ्यता के लोग सूती और ऊनी दोनों वस्त्रों का उपयोग करते थे। सिन्धु सभ्यता के लोग मिट्टी तथा ताँबे के बने बर्तनों का प्रयोग करते थे। इस सभ्यता के लोगों का मनोरंजन का साधन शिकार था। ये लोग धनुष-बाण से जंगली जानवरों का शिकार करते थे। इन लोगों को नाचने गाने का शौक था। सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग बैलगाड़ी पर बैठकर

व्याख्यान विधि

सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन व्यवस्थित था। इस सभ्यता के लोग भोजन में गेहूँ, जौ, दूध तथा माँस का प्रयोग करता है। सिन्धु सभ्यता के लोग मिट्टी व ताँबे के बर्तनों

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

माला करते थे।

बोधात्मक प्रश्न :—

प्रश्न	उत्तर
प्र०-1 सिन्धु सभ्यता के लोगों का मुख्य भोजन क्या था?	गेहूं, जौ, दूध और मांस था।
प्र०-2 सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार के वस्त्रों का उपयोग करते थे?	सूती तथा ऊनी वस्त्रों का उपयोग करते थे।
प्र०-3 सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार के बर्तनों का प्रयोग करते थे?	मिट्टी तथा तांबे।
प्र०-4 सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार यात्रा करते थे?	बैलगाड़ी से यात्रा।

श्यामपट्ट सारांश :—

सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर उतार लें।

निरीक्षण कार्य :—

छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन प्रश्न :—

1- सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज कब हुई?
2- सिन्धु सभ्यता का जन्म कब से माना जाता है?
3- खुदाई में विशाल स्नानागार कहाँ मिला है?
4- सिन्धु सभ्यता के लोगों का मुख्य भोजन क्या था?

गृहकार्य :—

सिन्धु घाटी एवं सिन्धु सभ्यता के सामाजिक जीवन को घर से पढ़कर आना।

Teacher's Signature : 7/9/21

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पाठ्योजना - 8

विद्यालय का नाम — उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम — शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
12/03/21	6	सा० विज्ञान	इतिहास	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण :— इस्लाम धर्म

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्रों को ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का ज्ञान कराके उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना।
2- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- छात्रों को अवकाश के सदुपयोग हेतु प्रशिक्षित करना।
6- छात्रों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना।
7- छात्रों में आदर्श चरित्र का निर्माण करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—

1 छात्र इस्लाम धर्म के विषय में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे
2- छात्र इस्लाम धर्म का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3- छात्र इस्लाम धर्म की विस्तारपूर्वक व्याख्या कर सकेंगे
4- छात्र इस्लाम धर्म से अपनी दिशा-निर्देश कर सकेंगे
5- छात्र इस्लाम धर्म को चार्ट पर प्रदर्शित करने का

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 40

कौशल विकसित कर सकेंगे।

6- छात्र भारत में इस्लाम धर्म के विषय में।

सहायक सामग्री :— समस्त कक्षोपयोगी सामग्री, चॉक, डस्टर, ल्पेट श्यामपट्ट फलक आदि।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र इस्लाम धर्म के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रियाएँ
प्र०-1	हम किस देश में निवास करते हैं?	उ०- भारत।
प्र०-2	भारत में किन किन धर्मों के लोग रहते हैं?	उ०- हिन्दू सिक्ख ईसाई मुस्लिम।
प्र०-3	नमाज किस धर्म के लोग पढ़ते हैं?	मुस्लिम धर्म।
प्र०-4	मुस्लिम धर्म किस धर्म से उत्पन्न हुआ है?	इस्लाम धर्म।
प्र०-5	इस्लाम धर्म से तुम क्या समझते हो?	समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन :— आज हम इस्लाम धर्म के विषय में अध्ययन करेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

कक्षा - 6 प्रकरण - इस्लाम धर्म

दिनांक : - 12/3/21

- नमाज पढ़ी जाती है - पाँच बार।
- इस्लाम के जन्मदाता - हजरत मुहम्मद।
- नमाज पढ़ी जाती है - मस्जिद में।
- इस्लाम के सिद्धान्त - समता, समानता, भ्रातृत्व।
- पैगम्बर का जन्म मक्का।
- यात्रा की - मदीना
- यात्रा कहलाई - हजरत।
- यात्रा कब की 622ई०
- भारत में इस्लाम धर्म - अरब व्यापारियों ने
- सिन्ध पर राज्य - मोहम्मद बिन कासिम।

गृहकार्य : - सभी छात्र इस्लाम धर्म के विषय में पढ़कर आयेंगे।

DEVI

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
इस्लाम धर्म का परिचय	**विकासात्मक प्रश्न -** प्र० इस्लाम धर्म के लोग ईश्वर किसे मानते हैं?	उ० अल्लाह को		
	प्र० इस्लाम को मानने वाले दिन में नमाज़ कितनी बार पढ़ते हैं।	उ० समस्यात्मक		
	छात्राध्यापक व्याख्यान इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग दिन में पाँच बार अल्लाह की प्रार्थना करते हैं। इसे नमाज पढ़ना कहा जाता है। नमाज मस्जिद में पढ़ी जाती है। मस्जिद में किसी देवी-देवता की मूर्ति नहीं होती है। एक बड़ा आँगन होता है। जिसमें सभी एकत्रा होकर काबा की ओर मुँह करके नमाज पढ़ी जाती है। एक दीवार होती है। इस्लाम के तीन बुनियादी सिद्धान्त थे - समता, समानता तथा बन्धुत्व। अल्लाह का पैगाम लाने वाले पैगम्बर हजरत मोहम्मद थे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	• नमाज पढ़ी जाती है पाँच बार • इस्लाम के जन्मदाता - हजरत मुहम्मद • नमाज पढ़ी जाती है - मस्जिद में। • इस्लाम के सिद्धान्त समता, समानता बन्धुत्व।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

बोधात्मक प्रश्न :—	छात्र उत्तर देंगे	प्रश्नोत्तर	
प्र०-1 नमाज दिन में कितनी बार पढ़ी जाती है ?	उ०- नमाज दिन में पाँच बार पढ़ी जाती है।	विधि	
प्र०-2 नमाज कहाँ पढ़ी जाती है ?	मस्जिद में पढ़ी जाती है।		
प्र०-3 इस्लाम धर्म की शुरुआत किसने की ?	हजरत मुहम्मद ने इस्लाम धर्म की शुरुआत की।		
प्र०-4 हजरत मुहम्मद किस नाम से जाने जाते हैं ?	उ०- पैगम्बर नाम से जाने जाते हैं।		
2- इस्लाम धर्म की शुरुआत- विकासात्मक प्रश्न :—			
प्र०-1 पैगम्बर किसे कहा जाता है ?	उ०- जो पैगाम ... जाता है।		
प्र०-2 हजरत मोहम्मद का जन्म कब हुआ ?	उ०- समस्यात्मक		
छात्राध्यापक व्याख्यान :—	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि	• पैगम्बर का जन्म - मक्का
अरब देश के मक्का नामक शहर में सन् 570 ई० में हजरत मोहम्मद का जन्म हुआ था। उस समय अरब में छोटे-छोटे कबीले थे जो एक-दूसरे से लड़ते रहते थे। ये लोग कई देवी-देवताओं की पूजा करते थे। हजरत मोहम्मद इन कबीलों			

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

के बीच आपसी सौहार्द एवं भाईचारा बढ़ाने के लिए यह सन्देश देने लगे कि ईश्वर एक है। एकमात्र अल्लाह की सीधी और सरल तरीके से प्रार्थना करनी चाहिए। शुरू में मक्का के लोगों ने मोहम्मद साहब की बातों का विरोध किया यहाँ तक कि मोहम्मद साहब को मक्का छोड़कर 622 ई० में इसरेशहर मदीना जाना पड़ा। इस्लाम धर्म अरब देश से शुरू होकर दुनिया के कई देशों में फैल गया।			• यात्रा की मदीना। • यात्रा कहलाई हजरत। • यात्रा कब की 622 ई०।
बोधात्मक प्रश्न :—	छात्र उत्तर देंगे।		
प्र०-1 हजरत मोहम्मद का जन्म कहाँ हुआ?	उ०-हजरत मोहम्मद का जन्म मक्का में हुआ।	प्रश्नोत्तर विधि	
2- मोहम्मद साहब मक्का से मदीना कब पहुँचे?	उ०- 622 ई० में		
प्र०-3- उनकी यह यात्रा क्या कहलाती है?	उ०-उनकी यह यात्रा हिजरत कहलाती है।		

SMT. SHAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
3-भारत में इस्लाम धर्म-	**विकासात्मक प्रश्न:-** प्र०-1 इस्लाम धर्म की शुरुआत कहाँ हुई थी?	उ०- इस्लाम धर्म की शुरुआत अरब देश में हुई थी।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 भारत में इस्लाम धर्म कैसे आया?	उ० असमर्थ		
	छात्राध्यापिका व्याख्यान:- भारत में इस्लाम धर्म समय-समय पर कई तरह से आया और फैला। अरब व्यापारी जो इस्लाम को मानते थे वहाँ राजाओं से मिलकर रहने की मदद ली और उन्होंने मस्जिद आदि बनाने के लिए जमीन ली और आस-पास के लोगों को मुसलमान बनाया। मोहम्मद बिन कासिम ने जब सिन्ध पर अपना राज्य स्थापित किया तो उनके साथ कई मुसलिम सिन्ध में बसे। इस कारण वहाँ के लोगों को इस नये धर्म के बारे में पता चला। सन्त भक्तों की तरह हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	• भारत में इस्लाम धर्म अरब व्यापारियों। • सिन्ध पर राज्य मोहम्मद बिन कासिम। • मुसलमान सन्त-सूफी सन्त। • सूफी सन्तों ने अल्लाह के बारे में वर्णन किया।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 45

बोधात्मक प्रश्न –			
प्र०-1 अरब व्यापारियों से कौन-सा धर्म भारत मे फैलाया ?	उ०- इस्लाम धर्म		
प्र०-2 सिन्ध पर अपना राज्य किसने स्थापित किया ?	उ०- सिन्ध पर अपना राज्य मोहम्मद-बिन कासिम ने स्थापित किया।		
प्र०-3 मुसलमान सन्त क्या कहलाये ?	उ०- मुसलमान सन्त सूफी सन्त कहलाये		

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन प्रश्न :— प्र०-1 इस्लाम धर्म की शुरुआत किसने की ?

2- नमाज दिन मे कितनी बार पढ़ी जाती है ?

3- हजरत मुहम्मद का जन्म कहाँ हुआ ।

4- सिन्ध पर राज्य स्थापित किया ?

5- मुसलमान सन्त सूफी सन्त कहलाए ।

गृहकार्य :— सभी छात्र इस्लाम धर्म के विषय मे पढ़कर आएंगे ।

Teacher's Signature : Anand 7/9/21

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. ....

Date ....

पाठ्योजना - 7

विद्यालय का नाम :- उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना सकबर पुर मारवेडकर

छात्राध्यापिका का नाम :- शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
15/03/21	7	सा० विज्ञान	इतिहास	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण - खिलजी वंश की स्थापना

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्रों को ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का ज्ञान कराकर उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना।
2- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- छात्रों को अवकाश के सदुपयोग हेतु प्रशिक्षित करना।
6- छात्रों में देशप्रेम की भावना जाग्रत करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1- छात्र खिलजी वंश के शासकों के पहचान कर सकेंगे
2- छात्र खिलजी वंश के युद्ध से सम्बन्धित घटनाओं का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र खिलजी वंश के शासकों की व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र खिलजी वंश के युद्धों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
5- छात्र खिलजी वंश को पहचानने का कौशल विकसित करेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 17

सहायक सामग्री — समस्त कक्षोपयोगी सामग्री और खिलजी वंश को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र खिलजी वंश के शासकों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ
प्र०-1-	भारत पर किन किन वंशों का शासन किया ?	उ०- भारत पर गुलाम वंश खिलजी वंश, तुगलक वंश
प्र०-2	गुलाम वंश के बाद भारत पर किस वंश का शासन था ?	उ०- गुलाम वंश के बाद भारत पर खिलजी वंश का शासन था।
प्र०-3	खिलजी वंश के प्रमुख शासकों में से किसी एक का नाम बताइये।	उ०- खिलजी वंश के प्रमुख शासकों में अलाउद्दीन खिलजी था।
प्र०-4	खिलजी वंश के प्रमुख संस्थापक कौन थे ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— आज हम खिलजी वंश की स्थापना के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य

Teacher's Signature : ....

कक्षा – 7   प्रकरण – खिलजी वंश की स्थापना

दिनांक – 15/03/21

- खिलजी वंश की स्थापना 1290 ई०।
- संस्थापक – जलालुद्दीन फिरोजशाह खिलजी।
- अलाउद्दीन 1296 ई० मे दिल्ली का शासक।
- जलालुद्दीन की हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन ने की।
- धर्म गुरुओं का दखल देना नापसन्द।
- एक विशाल सेना का संगठन।
- सैनिक 4,75,000।
- योग्यतानुसार नियुक्ति करना।
- सैनिकों को नगद वेतन देना।

गृहकार्य :- छात्रों खिलजी वंश पर विस्तारपूर्वक पढ़ना।

26/08/2021

SM VI
Degree

खिलजी वंश की स्थापना अला-उद्दीन जीवन परिचय	**विकासात्मक प्रश्न –**	छात्र उत्तर देंगे		
	प्र०-1 खिलजी वंश की स्थापना किस वंश के बाद हुई?	उ०- खिलजी वंश की स्थापना गुलाम वंश के बाद	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 खिलजी वंश की स्थापना के बारे में आप क्या जानते हैं।	समस्यात्मक		
	व्याख्यात्मक प्रश्न :– गुलामवंश के शासक बलबन के बाद दिल्ली में कुछ समय के लिए अव्यवस्था फैल गयी सत्ता प्राप्त करने के लिए तुर्की तथा खिलजी अमीरों में प्रयास जारी हो गये। इस संघर्ष में खिलजी सुल्तान बनने में सफल रहा और उसने खिलजी वंश की स्थापना 1290ई० में की थी। उसने किलोखरी को अपनी राजधानी बनाया था, वह स्वयं को भारतीय मानता था। उसकी हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन ने 1296ई० में करवा दी। जलालुद्दीन की मृत्यु के बाद उसका भतीजा अलाउद्दीन 1296ई० में	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि	• खिलजी वंश की स्थापना 1290ई० • संस्थापक जलालुद्दीन फिरोजशाह खिलजी • अलाउद्दीन 1296ई० में दिल्ली का शासक। • जलालुद्दीन की हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन ने की। • धर्मगुरुओं का दखल देना नापसंद

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट क्रिया
	मैं दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।			
	बोधात्मक प्रश्न –	छात्र उत्तर देंगे	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र01 दिल्ली पर शासन करने के लिए खिलजी अमीरों को किससे संघर्ष करना पड़ा?	उत्तर- दिल्ली पर अतुर्कों से संघर्ष करना पड़ा।		
	प्र0-2 खिलजी वंश की स्थापना किसने और कब की?	उ0- खिलजी वंश की स्थापना 1290 ई0 में जलालुद्दीन फिरोज ने की		
	प्र0-3 अलाउद्दीन कब दिल्ली का शासक बना?	अलाउद्दीन 1296 ई0 में दिल्ली का शासक बना।		
	प्र0-4 अलाउद्दीन को किसका दखल देना पसन्द नहीं था?	अलाउद्दीन को धर्मगुरुओं का दखल देना पसन्द नहीं था।		
	विकासात्मक प्रश्न :–			
2-अलाउद्दीन खिलजी के सैन्य सुधार-	प्र0-1 अलाउद्दीन की विजयों का श्रेय किसको जाता है?	उ0 सुसंगठित सेना को अलाउद्दीन की विजयों का श्रेय दिया जाता है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र0-2 अलाउद्दीन खिलजी के सैन्य सुधार के विजय से आप क्या समझते हैं?	उ0- समस्यात्मक		
	छात्राध्यापिका कथन – अलाउद्दीन खिलजी की विजयों का श्रेय	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।		• एक विशाल सेना का संगठन

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
	उसकी सुसंगठित सेना को था। अलाउद्दीन ने एक विशाल स्थायी सेना का संगठन किया। उसकी सेना में 4,75,000 सैनिक थे। सैनिकों की नियुक्ति उनकी घुड़सवारी, शस्त्र चलाने की योग्यता पर की जाती थी। सैनिकों की हुलियों का पूर्ण विवरण रखा जाता था। सैनिकों को नगद वेतन देने की प्रणाली अपनाई गयी। उसने अनेक नये किलों का निर्माण कराया तथा पुराने किलों की मरम्मत करवाई।		व्याख्यान विधि	• सैनिक 4,75,000 • योग्यता के अनुसार नियुक्त करना। • सैनिकों को नगद वेतन देना। • नये किलों का निर्माण • पुराने किलों की मरम्मत।
	बोधात्मक प्रश्न :-			
	प्र० 1 अलाउद्दीन ने कैसी सेना का संगठन किया?	उ० एक विशाल स्थायी सेना का संगठन किया।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र० 2 उसकी सेना में कितने सैनिक थे?	उ० उसकी सेना में 4,75,000 सैनिक थे।		
	प्र० 3 उसके शासनकाल में सैनिकों की नियुक्ति कैसे होती थी?	योग्यता के आधार पर सैनिकों की नियुक्ति होती थी।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्र०7 सैनिकों को वेतन कैसे दिया जाता था?	उ० - सैनिकों को वेतन नगद वेतन के रूप में दिया जाता था।		

मूल्यांकन प्रश्न -

प्र०1 खिलजी वंश की स्थापना किसने की?
प्र०2 खिलजी वंश की स्थापना कब हुई?
प्र०3 अलाउद्दीन खिलजी की सेना में कितने सैनिक थे?
प्र०4 अलाउद्दीन खिलजी कब सिंहासन पर बैठा?
प्र०5 सैनिकों को वेतन कैसे दिया जाता था?

निरीक्षण कार्य :-

छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा की निरीक्षण करेगी।

गृहकार्य :-

बच्चों! खिलजी वंश पर विस्तारपूर्वक पढ़कर आना।

26/08/2021

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

पाठयोजना - 8

विद्यालय का नाम :- उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम :- शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
17/03/21	8	सा० विज्ञान	इतिहास	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण - भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना

सामान्य उद्देश्य :- छात्रों को ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का ज्ञान कराकर उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना।

2- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।

4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।

5- छात्रों को अवकाश के सदुपयोग हेतु प्रशिक्षित करना।

6- छात्रों में देशप्रेम की भावना जाग्रत करना।

विशिष्ट उद्देश्य :- भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना के विषय में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

2- छात्र भारत में ब्रिटिश कम्पनी के सिद्धान्तों की खोज कर सकेंगे।

3- छात्र भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना के विषय में व्याख्या कर सकेंगे।

4- छात्र भारत में अंग्रेजी की नीति के विषय में दिशा-निर्देश प्राप्त कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :— समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, लपेट, श्यामपट्ट, स्वारन्टर) अंग्रेजी राज्य की स्थापना को प्रदर्शित करता हुआ चार्ट।

छात्रों का पूर्व ज्ञान :— छात्र पूर्व कक्षाओं में अंग्रेजी राज्य के सम्बन्ध में पढ़ चुके हैं, अतः वे इसके विषय में कुछ सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्राएँ क्रियाएँ
प्र01	औद्योगिक क्रान्ति सर्वप्रथम कहाँ पर हुई?	उ० इंग्लैण्ड में।
प्र02	इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप किसका विकास हुआ?	उ० नये कारखानों का विकास हुआ।
प्र03	अंग्रेज कारखानों के लिए कच्चे माल की व्यवस्था कहाँ से करते थे?	उ० इंग्लैण्ड ने अनेक उपनिवेश राज्य बना जहाँ से वे कच्चा माल प्राप्त करते थे।
प्र04	इंग्लैण्ड के कुछ उपनिवेश राज्यों के नाम बताइए।	उ० समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना के सम्बन्ध में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

कक्षा – 8 प्रकरण – भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना

दिनांक – 17/07/21

- भारत के राजा और नवाब एक-दूसरे पर हमला करके राज्य बढ़ते थे।
- यूरोपीय सेनाओं के पास बेहतर सेनाओं के पास बेहतर नौसेना, तोपें और बन्दूकें थीं।
- भारत के प्रान्तीय शासक आपस में लड़ते रहते थे।
- कम्पनी राजाओं की सशर्त सहायता करती थी।
- कम्पनी के पास नौ-सेना का बेड़ा था।
- कम्पनी के सैनिक बंदूकों व तोपों से सुसज्जित थे।

गृहकार्य: — बच्चों! भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना पर कॉपी में अपने शब्दों में लेख तैयार करो।

28/08/2021

DEVI

भारत के राज्य और विदेशी कम्पनियों की सेनाएं-	**विकासात्मक प्रश्न–** प्र०-1 अंग्रेज भारत से क्या करने आये थे? प्र०-2 अंग्रेजों ने भारत की किस स्थिति का फायदा उठाकर अपना राज्य स्थापित किया?	उ०- अंग्रेज भारत देश में व्यापार करने आये समस्यात्मक		
	छात्राध्यापिका व्याख्यान:- भारत के राजा और नवाब अपना राज्य बढ़ाने और एक-दूसरे पर हमला करने में लगे रहते थे। इनमें उत्तराधिकारी युद्ध भी होते थे जिसके लिए वे विदेशी कम्पनियों की सहायता लेते थे अतः फ्रांस व ब्रिटेन की कम्पनियों की सहायता लेते थे अतः फ्रांस व ब्रिटेन की कम्पनी इन झगड़ों में अपनी टांग अड़ाने लगी यदि कम्पनी किसी राजा का सहयोग करती थी तो उस राजा की शक्ति इतनी बढ़ जाती थी क्योंकि यूरोपीय सेनाएं आधुनिक हथियारों से लैस थी उनके पास तोपें	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगी	व्याख्यान विधि	• भारत के राजा और नवाब एक-दूसरे पर हमला करके राज्य बढ़ाते थे। • यूरोपीय सेनाओं के पास बेहतर मशीनें, तोपें और बन्दूकें थी।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्राएँ क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
	मौजूद थी।			
	बोधात्मक प्रश्न:-		प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-1 भारतीय राजा एक दूसरे पर हमला क्यों करते थे?	उ०- भारतीय राजा अपना राज्य बढ़ाने के लिए एक दूसरे पर हमला।		
	प्र०-2 जब कम्पनी किसी राजा की सहायता करती थी तो उसकी शक्ति पर क्या असर पड़ता था?	उ०- कम्पनी जिस राजा या नवाब की सहायता करती थी उसकी शक्ति कम हो जाती थी।		
	प्र०-3 यूरोपीय कम्पनी के पास कैसे हथियार थे?	उ०- यूरोपीय सैनिकों के पास तोपें व बन्दूकें थी।		
2. राजाओं और नवाबों की अंग्रेजों से पराजय:-	**विकासात्मक प्रश्न:-**			
	प्र०-1 अंग्रेजी सेना क्यों शक्तिशाली थी?	उ०- अंग्रेजी सेना के पास तोपें व बन्दूकें थी।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 भारतीय राजाओं और नवाबों को अंग्रेजों से क्या खतरा हो गया?	समस्यात्मक?		
	छात्राध्यापिका कथन:-			
	जो राजा या नवाब कम्पनी की सहायता लेते थे उन राजाओं को कम्पनी की शर्त माननी पड़ती थी जिसमें यह थी उन्हें धन कम्पनी को	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्यान विधि	• भारत के प्रान्तीय शासक आपस में लड़ते रहते थे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

देना पड़ता था या कभी-कभी कम्पनी राज्य का एक बड़ा भू-भाग भेंट में ले लेती थी और उन राजाओं को कम्पनी के सैनिकों का खर्चा भी वहन करना पड़ता था इस तरह भारतीय राजाओं और नवाबों पर व्यापारियों (कम्पनी) का बहुत बोझ पड़ने लगा राजा और नवाब अपने राज्य में किसी रूप से को सैनिक ताकत नहीं बढ़ा दे सकते थे अतः उन्होंने कम्पनी की सैनिक ताकत पर रोक लगाने की कोशिश की सब राजा कम्पनी के व्यवहार से भी परेशान रहते थे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	• भारत के राजा और नवाब एक इस पर हमला करके राज्य बढ़ाते थे। • यूरोपीय सेनाओं के पास बेहतर नौसेना, तोपें और बन्दूकें थीं। • कम्पनी के पास नौ-सेना का बेड़ा था।

बोधात्मक प्रश्न –

प्र0-1 जो राजा या नवाब कम्पनी की सहायता लेते थे उन्हें क्या हानि उठानी पड़ती थी?	उ0- उन राजा व नवाबों को कम्पनी की शर्तों को मानना पड़ता था।	प्रश्नोत्तर विधि	
प्र0-2 राजा के राज्य में	उ0- कम्पनी के		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०-कम्पनी के सैनिकों का खर्च कौन को उठाना पड़ता है था?	सैनिक का खर्च राजा को ही उठाना पड़ता था।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०3-राजा और नवाब क्या बर्दाश्त नहीं कर सकते थे?	उ०-राजा और नवाब अपने राज्य में इसी की सैनिक ताकत को बर्दाश्त नहीं कर सकते थे।		

निरीक्षणकार्य:— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न:—

कम्पनी सहयोग के बदले राजाओं से क्या प्राप्त करती थी?
राजा व नवाब कम्पनी से क्यों परेशान थे?
भारतीय राजा अपने निजी स्वार्थ के लिए कम्पनी का सहयोग लेते थे?

गृहकार्य:— बच्चों! भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना पर संक्षिप्त में अपने शब्दों में लेख तैयार करो।

Teacher's Signature : 7/9/21

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठयोजना - 9

विद्यालय का नाम :- उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम :- शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
19/03/21	7	सा०विज्ञान	इतिहास	~~40~~ द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण :- मुगल साम्राज्य

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्रों को इतिहास से परिचित कराना।

2- छात्रों में सामाजिक विज्ञान के प्रति रुचि जाग्रत करना।

3- छात्रों में कल्पना व चिंतन शक्ति का विकास करना।

4- छात्रों में ऐतिहासिक दृष्टिकोण का विकास करना।

5- छात्रों में सामाजिक व्यक्तित्व का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1- छात्रो को मुगल सामाज्य के बारे मे जानकारी देना।

2- छात्रो को मुगल शासकों के बारे में जानकारी देना।

3- छात्र मुगल साम्राज्य का आकलन कर सकेंगे तथा उसको समझ सकेंगे।

4- छात्र मुगल साम्राज्य के प्रति ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपना सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :— चाक, डस्टर, लपेट श्यामपट्ट, चार्ट, संकेतक आदि।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र मुगल शासकों तथा मुगल साम्राज्य की सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्र० सं०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र / छात्राएं क्रिया
1-	प्र० भारत के प्रमुख धरोहर कौन-कौन है?	उ० ताज महल, लाल किला आदि।
2-	लाल किला का निर्माण किसने करवाया था?	उ० शाहजहाँ ने
3-	शाहजहाँ किस साम्राज्य का शासक था?	उ० मुगल साम्राज्य
4-	मुगल साम्राज्य को विस्तार से बताओ।	उ०- मौन (समस्यात्मक)

उद्देश्य कथन :— छात्रों आज हम लोग मुगल साम्राज्य के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कथन	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न—			
	1- खानवा का युद्ध किसके -किसके मध्य हुआ।	उ०- राणा सांगा और बाबर	प्रश्नोत्तर विधि	खानवा का युद्ध बाबर और राणा सांगा के बीच सन् 1527 में हुआ था।
	2- बाबर के बारे में आप क्या समझते हैं।	उ०- मौन		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

कक्षा - 7 प्रकरण :- मुगल साम्राज्य

दिनांक - 17/07/21

- बाबर मुगल साम्राज्य का संस्थापक।
- बाबर का जन्म 1483 ई० में फरगना में हुआ।
- पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहीम लोदी की हत्या।
- बाबर ने बाबरनामा की रचना की।
- बाबर की मृत्यु आगरा में हुई।
- हुमायूँ का जन्म 6 मार्च 1508 ई० में हुआ।
- अकबर का जन्म 1542 ई०।
- पानीपत की दूसरी लड़ाई इसी के शासन में।
- इसका राजदरबार नौ रत्नों से सुशोभित था।

गृहकार्य :- दास मुगल वंश के अन्य शासकों के बारे में पढ़कर आना।

26/08/2021

SM Degree

Date ....

Expt. No. ....

Page No. 80

स्पष्टीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
1- बाबर-	जहीरूद्दीन बाबर जो बाबर के नाम से विख्यात हुए। उनका जन्म मध्य एशिया के वर्तमान उज्बेकिस्तान में हुआ था। बाबर ने सन 1526 ई० में दिल्ली सल्तनत के अन्तिम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हराकर वंश की नींव रखी।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	बाबर ने सन 1526 ई० में दिल्ली सल्तनत के अन्तिम सुल्तान इब्राहिम लोदी
2- हुमायूँ :-	हुमायूं मुगल साम्राज्य बाबर का पुत्र था। बाबर की मृत्यु के पश्चात हुमायू ने 1530 में भारत की राजगद्दी संभाली। हुमायूं की जीवनी को हुमायू नामा कहते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	हुमायूं ने सन 1530 में भारत की राजगद्दी संभाली
3- अकबर-	जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर मुगल काफी और हुमायू एवं हमीदा बनो का पुत्र था। बादशाहों में अकबर ही एक ऐसा बादशाह था जिसे हिन्दू-मुस्लिम दोनों वर्गों का बराबर प्यार और सम्मान मिला।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे		अकबर सबसे लंबे समय तक मुगल साम्राज्य रहा।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

बोधात्मक प्रश्न :—

क्रमसं०	छात्राध्यापिक क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रिया
1-	बाबर ने किस सन में दिल्ली मे शासन किया	उ०- 1526 ई० मे
2-	हुमायू किसका पुत्र था।	उ०- बाबर का
3-	अकबर किसका पुत्र था।	उ०- हुमायू का
4-	ताजमहल कौन बनवाया	उ०- शाहजहां ने
5-	मुगल साम्राज्य कब से कब तक माना जाता है।	उ०- 1526 ई० से 1857 ई० तक।

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नो के उत्तर को अपने अभ्यास पुस्तिका मे उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :—

मूगल साम्राज्य की नींव किसने रखी।

खानवा का युद्ध किसके-किसके बीच हुआ।

गृहकार्य :— 1- ताजमहल किसने बनवाया कहाँ स्थित है। इस प्रश्न का उत्तर लिखकर लाना है।

Teacher's Signature : ....

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठयोजना -10

विद्यालय का नाम :— उच्च प्राथमिक विद्यालय बैवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम :— शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
22/03/21	6	सा० विज्ञान	इतिहास	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण :- गुप्तवंश

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्रों को ऐतिहासिक तथ्यों एवं घटनाओं का ज्ञान कराके उनके ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना।

छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।

छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।

छात्रों को अवकाश के सदुपयोग हेतु प्रशिक्षित करना।

छात्रों में देश प्रेम की भावना जागृत करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—

1- छात्र गुप्त वंश के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

छात्र गुप्त वंश के ऐतिहासिक तथ्यों, घटनाओं को पहचान सकेंगे।

छात्र गुप्त वंश की घटनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

छात्र गुप्त वंश के बारे में अतीत से उदाहरण दे सकेगा।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :— समस्त कक्षोपयोगी सामग्री (चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्याम फलक) गुप्त वंश के साम्राज्य की स्थिति चार्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र गुप्त वंश के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्रमसं०	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्राएँ क्रिया
1-	भारत की राजधानी का क्या नाम है?	उ०- नई दिल्ली।
2-	नई दिल्ली में कौन-सी मीनार है?	उ०- कुतुबमीनार।
3-	कुतुबमीनार के मैदान में कौन-सा स्तम्भ बना है?	उ०- महरौली स्तम्भ
4-	गुप्त काल के बारे में आप सब क्या जानते हैं?	उ०- समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— आज हम गुप्त वंश के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न :—			
	1- गुप्त वंश का शासक कौन था?	उ०- गुप्त वंश का शासक श्रीगुप्त था।	प्रश्नोत्तर विधि	
	2- श्रीगुप्त के बारे में आप क्या जानते हैं?	उ०- समस्यात्मक।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

कक्षा – 8 प्रकरण – गुप्त वंश

दिनांक – 22/03/21

- कुषाणों के पश्चात् गुप्त वंश का उदय।
- श्रीगुप्त इस वंश का पहला राजा।
- राजाधिराज की उपाधि चन्द्रगुप्त ने धारण की।
- चन्द्रगुप्त ने विक्रम संवत चलाया।
- समुद्रगुप्त का अभिलेख अशोक के स्तम्भ पर
- भारत का नेपोलियन – समुद्रगुप्त।
- प्रयाग प्रशस्ति समुद्रगुप्त के विजय अभियान का उल्लेख।
- सोने के सिक्कों का निर्माण जिसमें अश्वमेध के घोड़े अंकित थे।
- मुद्राएं – गुप्त काल की उपलब्धियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

26/08/2021

SM... Degree

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
गुप्त वंश:-	**छात्राध्यापिका कथन-** कुषाणों के पश्चात एक नये वंश का उदय हुआ। यह राजवंश गुप्त वंश के नाम से जाना जाता है गुप्त साम्राज्य भारत में 320 ई० में स्थापित हुआ। इस राज वंश के भारत के विशाल भू-भाग पर लगभग दो सौ वर्षों से भी अधिक तक राज्य किया था। श्री गुप्त वंश का पहला राजा था। चन्द्रगुप्त इस वंश का प्रसिद्ध राजा था जिसने राजाधिराज की उपाधि धारण की। एक नये संवत विक्रम संवत को चलाया।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	• कुषाणों के पश्चात गुप्त वंश का उदय • श्रीगुप्त इस वंश का पहला राजा। • राजाधिराज की उपाधि चन्द्रगुप्त ने धारण की। • चन्द्रगुप्त ने विक्रम संवत चलाया।
	बोधात्मक प्रश्न –			
	प्र०- इस वंश का पहला राजा कौन था?	उ०- श्रीगुप्त	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०- राजाधिराज की उपाधि किसने धारण की।	उ०- चन्द्रगुप्त ने।		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्रा क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य।
	विकासात्मक प्रश्न:-			
1- **समुद्र गुप्त**	प्र०-1 चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद इसका शासक कौन था?	उ० – चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त इसका शासक था।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2- समुद्रगुप्त के विषय में आप क्या जानते हैं?	उ०- समस्यात्मक।		
	छात्राध्यापिका कथन:-			
	चन्द्रगुप्त के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त इस वंश का इसका महान शासक था। उसके दरबारी कवि हरिषेण ने इलाहाबाद स्थित अशोक के स्तम्भ पर समुद्रगुप्त का अभिलेख खुदवाया पर समुद्रगुप्त की प्रशंसा के नाम से जाना जाता है इस अभिलेख में समुद्रगुप्त के विजय अभियान का वर्णन है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	• समुद्रगुप्त का अभिलेख अशोक के स्तम्भ पर। • भारत का नेपोलियन समुद्रगुप्त। • प्रयाग प्रशस्ति समुद्रगुप्त के विजय अभियान का उल्लेख।
	बोधात्मक प्रश्न:-			
	प्र०- समुद्रगुप्त के बाद राजगद्दी पर कौन बैठा?	उ० – चन्द्रगुप्त द्वितीय राजगद्दी पर बैठा।	प्रश्नोत्तर विधि।	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. 66

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका छात्राएं	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०-2 गुप्त वंश पर किसका आक्रमण जारी रहा?	उ०- हूणों का आक्रमण जारी रहा	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-3 गुप्त सम्राटों के सिक्कों पर क्या अंकित था	उ०- वीणा बजाते हुए सम्राट समुद्रगुप्त का चित्र।		
	प्र०-4- गुप्त वंश का अन्त कौन किन कारणों से हुआ?	उ०- हूणों के निरन्तर आक्रमणों से		

श्यामपट्ट कार्य:— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपने अभ्यास - पुस्तिका में उतार लें।

निरीक्षण कार्य:— छात्राध्यापिका घूम - घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन प्रश्न:—

1- भारत का नेपोलियन किसे कहा जाता है?

2- गुप्त साम्राज्य कब स्थापित हुआ?

3- महाराजाधिराज की उपाधि किसने धारण की?

4- गुप्त वंश का विघटन किसके समय में हुआ?

गृह कार्य:— 1- गुप्त काल पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

26/08/2021

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management